

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए.	वर्ष: प्रथम वर्ष	सत्र: 2021-22
विषय: हिंदी साहित्य			
1	पाठ्यक्रम का कोड	A1-HLIT2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	कार्यालयीन हिंदी एवं भाषा कम्प्यूटिंग (प्रश्न पत्र 2)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, विद्यार्थी ने किसी भी विषय से कक्षा 12वीं प्रमाण पत्र/डिप्लोमा किया हो, पात्र हैं।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1 इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी एवं कार्यशैली से परिचित हो सकेंगे। जिससे वे कार्यालयीन कार्य करने में सक्षम होंगे। 2 नई तकनीकी के माध्यम से ज्ञान विज्ञान के-क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकेंगे 3 भाषा कम्प्यूटिंग में दक्षता होगी तथा रोजगार प्राप्ति के अवसर मिलेंगे।	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या- 90 (प्रति सप्ताह घंटे में 02)			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
इकाई-1	कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र: 1.1 कार्यालयीन हिन्दी का स्वरूप एवं उद्देश्य 1.2 कार्यालयीन हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध एवं अंतर 1.3 कार्यालयीन कार्यकलाप की सामान्य जानकारी 1.4 हिन्दी के प्रयोजनमूलक संदर्भ: कार्यालयीन, साहित्यिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, विधिक एवं कानूनी, जनसंचार माध्यम आदि। राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति एवं प्रमुख प्रावधान।	16	
इकाई-2	हिन्दी के शब्द संसाधन (कम्प्यूटर टंकण) 1.1 हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं विभिन्न की-बोर्ड, देवनागरी लिपि के विविध फोण्ट्स, यूनिकोड, हिन्दी स्लाइड, पी.पी.टी., पोस्टर निर्माण, स्पीच टू टेक्स्ट एवं	18	

29-05-2021

1

29-05-21  
डा. पुष्पा कुबेर  
अध्यक्ष, केंद्रीय अध्ययन मण्डल  
कीर्ति प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

	टेक्स्ट टू स्पीच, हिंदी शार्ट हैंड का परिचय। 1.2 हिन्दी से संबंधित वेबसाईट, ई मेल, इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ, दृश्य श्रव्य सामग्री, ई पुस्तकालय, सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल, आभासी कक्षाएं	
इकाई-3	कार्यालयीन हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली 1.1 शब्दावली निर्माण के सिद्धांत 1.2 कार्यालयीन हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली प्रशासनिक, विधि संबंधी एवं वाणिज्यिक पारिभाषिक शब्दावली 1.3 पदनाम एवं अनुभाग	16
इकाई-4	1 कार्यालयीन हिन्दी पत्राचार: 1.1 आवेदन पत्र 1.2 शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र- 1.3 कार्यालयीन आदेश 1.4 परिपत्र 1.5 अधिसूचना 1.6 कार्यालयीन ज्ञापन 1.7 विज्ञापन 1.8 निविदा 1.9 संकल्प 1.10 प्रेस विज्ञप्ति एवं अन्य कार्यालयीन पत्र 2 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन एवं हिंदी का मानकीकरण 2.1 प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति 2.2 टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर 2.3 संक्षेपण का अर्थ एवं संक्षेपण-पद्धति, पल्लवन का अर्थ, पल्लवन के सिद्धांत, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर 2.4 प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग	20
इकाई-5	1 कम्प्यूटर एवं इंटरनेट में हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग 1.1 कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास 1.2 हिंदी का मानकीकृत रूप 1.3 ब्लॉगिंग एवं सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	20

29-05-2021

2

डा. युवराज कुमार  
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्यापन मण्डल  
बी.ए. प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

	<p>- फेसबुक, यूट्यूब एवं अन्य प्लेटफॉर्म</p> <p>1.4 ई-गवर्नेंस</p> <p>1.5 विराम चिह्न, अशुद्धि-संशोधन एवं प्रूफ-शोधन</p> <p>1.6 व्यावहारिक अभ्यास - विभिन्न प्रकार के कार्यालयीन पत्र, ब्लॉगिंग, पोस्टर, ईमेल एवं अन्य-</p>	
<p>सार बिंदु (की बर्ड)/टैग: कार्यालयीन हिन्दी, शब्द संसाधन, कार्यालयीन पत्राचार, संक्षेपण, पल्लवन, देवनागरी लिपि के अनुप्रयोग, स्पीच टू टेक्स एवं टेक्स टू स्पीच, हिन्दी शार्टहेन्ड, प्रूफ-शोधन</p>		
<p>भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन</p>		
<p>पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन</p>		
<p>अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:</p> <p>संदर्भ ग्रन्थ-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>सागर, रामचंद्र सिंह, "कार्यालय कार्य-विधि", आत्माराम एंड संस, नयी दिल्ली 1963</li> <li>शर्मा, चंद्रपाल, "कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति", समता प्रकाशन, दिल्ली 1991</li> <li>"प्रज्ञा पाठमाला", राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली</li> <li>गोदरे, डॉविनोद., "प्रयोजनमूलक हिन्दी", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009</li> <li>झाल्टे दंगल, "प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण</li> <li>सोनटक्के, डॉमाधव., "प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रयुक्ति और अनुवाद", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>भाटिया, कैलाशचन्द्र, "प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रक्रिया और स्वरूप" तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली 2005</li> <li>जैन, डा.संजीव कुमार सं., "प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग", कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल</li> <li>मल्होत्रा, विजयकुमार, "कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग", वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>गोयल, संतोष, "हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर", श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली</li> <li>हरिमोहन, "आधुनिक जनसंचार और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>हरिमोहन, "कम्प्यूटर और हिन्दी", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>द्विवेदी, संजय "नए समय का संवाद: सोशल नेटवर्किंग", नेहा, पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली</li> <li>शुक्ल, सौरभ, "नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज" पब्लिकेशन्स, दिल्ली</li> <li>कुमार, सुरेश, "इन्टरनेट पत्रकारिता", तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>श्रीवास्तव, गोपीनाथ, "कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि", सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली</li> <li>सिंह, अजय कुमार, "इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता, लोकभारती प्रकाशन इलाहबाद 2014</li> </ol> <p>2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक</p> <ol style="list-style-type: none"> <li><a href="http://www.wikipidiya.org">www.wikipidiya.org</a></li> <li><a href="http://www.egyankosh.ac.in">www.egyankosh.ac.in</a></li> <li><a href="http://www.youtube.com">www.youtube.com</a></li> <li><a href="https://epgp.inflibnet.ac.in">https://epgp.inflibnet.ac.in</a></li> </ol>		

29-05-2021

3



अध्यक्ष  
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
की ७६० प्रथम वर्ष, हिन्दी साहित्य

5. <a href="http://Hi.m.wikipidiya.org">Hi.m.wikipidiya.org</a>		
6. <a href="http://www.india.gov.in&gt;topics">www.india.gov.in&gt;topics</a>		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:		
भाग, द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:		
अधिकतम अंक: 100		
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75		
आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		कुल अंक :25
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		कुल अंक 75
कोई टिप्पणी/सुझाव:		

यु. 29-05-2021  
डा. पुष्पा कुर्वे

अध्यक्ष  
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल  
पी-एच० जयमल्ल, हिन्दी साहित्य

Department of Hindi